Seat No. _____

HO-19070201020300

B. R. S. (Sem.-II) (CBCS) Examination

April - 2023

FND-204 : Hindi

(हिन्दी खण्डकाव्य) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए।

1 खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'पंचवटी' खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए। **15**

अथवा

1 'पंचवटी' खण्डकाव्य के संदेश पर प्रकाश डालिए।

2 सूचनानुसार उत्तर दीजिए: **15**

(अ) निम्नांकित में से किन्हीं सात मुहावरों का अर्थ दीजिए: **7**

(1) आँखों का तारा
(2) अंगुली पर नचाना
(3) टांग अड़ाना
(4) ईद का चाँद
(5) अपने पाँव कुल्हाडी मारना
(6) चल बसना
(7) नाक कट जाना
(8) आटे दाल का भाव मालुम होना
(9) लोहे के चने चबाना
(10) गुदड़ी का लाल

(ब) निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए: **8**

''कोई भी भाषा बुरी नहीं होती, क्योंकि सबकी अपनी–अपनी विशेषताएँ है, अपने–अपने बोलने वाले हैं। हर भाषा यदि किसी अन्य के लिए केवल 'भाषा' है तो अपने लिए 'मातृभाषा' भी होती है। किसी भाषा या किसी की मातृभाषा को बुरा मानना या समझना मनुष्यता नहीं है, विद्या प्रेम नहीं है, बल्कि संकीर्णता है। हर भाषा का अपना साहित्य होता है और साहित्य मानवमात्र के प्रेम की वस्तु है। संसार के कोने–कोने में अनेकों भाषा बोली

और लिखी जाती है, जिनकी अपनी प्रवृत्ति और अपने उच्चारण है। ये सारी भाषाएँ सीखी जा सकती है। हजारों विद्यार्थी विदेशी भाषाओं या दूसरे की भाषाओं का अध्ययन करते हैं ताकि उनके साहित्य का ज्ञान प्राप्त किया जा सके।''

3 निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिएः **15**

(1) ''मुनियों का सत्संग यहाँ है,
जिन्हें हुआ है तत्वज्ञान,
सुनने को मिलते हैं उनसे
नित्य नये अनुपम आख्यान।''

(2) ''इच्छा होती है स्वजनों को
एक बार वन ले आऊँ,
और यहाँ की अनुपम महिमा
उन्हें घुमाकर दिखलाऊँ।''

(3) ''तुम अनुपम ऐश्वर्यवती हो,
एक अकिंचन जन हूँ मैं,
क्या आतिथ्य करुँ, लज्जित हूँ,
वन–वासी निर्धन हूँ मैं।''

(4) ''किस व्रत में है व्रती वीर यह
निन्द्रा का यों त्याग किये,
राजभोग के योग्य विपिन में
बैठा आज विराग लिए।''

(5) ''नहीं विघ्न–बाधाओं को
हम स्वयं बुलाने जाते हैं,
फिर भी वे यदि आ जावे तो
कभी नहीं घबराते हैं।''

4 पंचवटी खण्डकाव्य के नायक लक्ष्मण का चरित्र–चित्रण कीजिए। **15**

अथवा

4 पंचवटी की मूलकथा एवं कवि द्वारा किये गये परिवर्तनों पर प्रकाश डालिए।

5 सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए। **10**

अथवा

5 मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय दीजिए।